Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4902]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2016

हिंदी

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 1

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ—संपादक — रेखा सेठी — रेखा उप्रेती।

(*ii*) विजय — मैत्रेयी पुष्पा।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'वापसी' की कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

''आधुनिक हिंदी कहानी का कथ्य और शिल्प वैविध्यपूर्ण है''—पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2. 'विजन' उपन्यास में चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में फैलते भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'विजन' उपन्यास की कथावस्तु स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. 'भूख' कफन कहानी की प्रमुख समस्या है—इस कथन के संदर्भ में 'कफन' की समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) विजन उपन्यास का देश-काल-वातावरण।

(ख) डॉ. नेहा शरण का वैवाहिक जीवन।

(ग) 'विजन' उपन्यास की भाषाशैली।

4. ''विजन' उपन्यास में दो पीढ़ियों के संघर्ष को उजागर किया है''—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) 'उमस' कहानी का वातावरण स्पष्ट कीजिए।

(छ) हीली-बोन अपनी बत्तखों को क्यों मारती है ?

(ज) गजाधरबाबू की पारिवारिक जीवन की उपेक्षा पर प्रकाश डालिए।

(झ) 'चीफ़ की दावत' कहानी में चित्रित माँ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(त) 'अपना अपना भाग्य' कहानी में चित्रित बालक की व्यथा को स्पष्ट कीजिए।

(थ) 'अकेली' कहानी की सोमाबुआ अपने जीवन में अकेलेपन की पीड़ा को किस तरह सहती है ?

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''बैरी की आँख में राई-नोन। हाय मेरी मिस साहब, तुम ऐसे आदमी थोड़े ही हो।.... भूख से मरते हैं कमीने आदमियों के बच्चे।''

अथवा

''मेरी कमीज खून से भीग गयी थी। सिर के बाल खून से लिथड़ गए थे। माँ मुझे देखकर डर गयी और रोने लगी। पिताजी घबराए हुए घाव पर पावडर डालने लगे।''

(ध) ''पापा हर जगह अब तो युवा डॉक्टरों की मांग है, क्योंकि वे नई नजर के मालिक होते हैं।''

अथवा

''जालों में मुझे मत उलझाओ। तुम क्या चीज हो, राजा जनक की बेटी थी सीता, राम के साथ जंगल में गयी, मैं तो हॉस्टल की बात कर रहा हूँ, जहाँ जंगल नहीं, लोक रहते हैं, अच्छे से अच्छे घर के डॉक्टर।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4902]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 (विशेषस्तर)

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
संपा. : डॉ आनंद प्रकाश दीक्षित।
(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपा. : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विद्यापति के शृंगार निरूपण का विवेचन कीजिए।

अथवा

गीतिकाव्य की दृष्टि से विद्यापति की पदावली का मूल्यांकन कीजिए।

2. 'पद्मावत में प्रकृति के विविध रूपों का चित्रण हुआ है'—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जायसी की भाषा तथा अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए।

3. विद्यापति की पदावली के प्रकृति चित्रण का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पद्मावत की नागमती

(ख) पद्मावत में व्यक्त लोकतत्व

(ग) जायसी की काव्यकला।

4. ''लौकिक प्रेम के द्वारा अलौकिक प्रेम की व्यंजना जायसी का मुख्य उद्देश्य प्रतीत होता है।'' विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विद्यापति के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(ख) विद्यापति के कृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) विद्यापति के काव्य में प्रयुक्त अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

(घ) विद्यापति की पदावली में व्यक्त नारी सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(च) विद्यापति की भाषा का विवेचन कीजिए।

(छ) ''विद्यापति के काव्य पर संस्कृत का प्रभाव है''—स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(1) सैसव जौवन दरसन भेल।
दुहु दल बले दंद परि गेल॥
कबहुँ बाँधय कच कबहुँ बिथारि।
कबहुँ झांपय अंग कबहुँ उघारि॥
अतिथिर नयन अथिर किछु भेल।
उरज उदय-थल लालिम देल॥
चंचल चरन चंचल चित्त भान।
जागल मनसिज मुदिस नयान॥
विद्यापति कह सुनु बर कान।
धीरज धरह मिलायब आन॥

अथवा

मधुपुर मोहन गेल रे मोरा बिहरत छाती।
गोपी सकल बिसरलनि रे जत छल अहिबाती॥
सुतल छलहुँ अपन गृह रे निन्दइ गेलउँ सपनाइ।
कर सो छुटल परसमनि रे कोन गेल अपनाइ॥
कत कहबो कत सुमिरब रे हम भरिए गरानि।
आनक धन सों धनवंती रे कुबजा भेल-रानि॥
गोकुल चान चकोरल रे चोरी गेल चन्दा।
बिछुड़ि चललि दुहु जोड़ी रे जीन दइ गेल धंदा॥
काक भाख निज भाखह रे पहू आओत मोरा।
खीर खांउ भोजन देव रे भरि कनक कटोरा॥
भनहि विद्यापति गाओल रे धैरज धरु नारि।
गोकुल होयत सोहाओन रे फेरि मिलत मुरारि॥

(2) खेलत मानसरोवर गईं। जाइ पालि पर ठाढ़ी भईं।
देखि सरोवर रहसहिं केली। पदुमावति सौं कहहिं सलेली।
ऐ रानी मन देखु बिचारी। एहि नैहर रहना दिन चारी।
जौ लहि अहै पिता कर राजू। खेलि लेहु जौं खेलहु आजू।
पुनि सासुर हम गौनब काली। कित हम कित एह सरवर पाली।
कित आवन पुनि अपने हाथाँ। कित मिलि कै खेलब एक साथा।
सासु नँनद बोलिन्ह जिउ लेहीं। दारुन ससुर न आवै देहीं।
पिउ पिआर सब ऊपर सो पुनि करै दहुँ काह।
कहुँ सुख राखै की दुख दहुँ कस जरम निबाह॥

अथवा

कुहुकि कुहुकि जसि कोइलि रोई। रकत आँसु घुंघुची बन बोई।
पै करमुखि नैन तन राती। को सिराव बिरहा दुख ताती।
जहँ जहँ ठाढ़ि होइ बनवासी। तहँ-तहँ होइ घुंघचिन्ह कै रासी।
बुंद बुंद महँ जानहुँ जीऊ। कुंजा गुंजि करहिं पीउ पीऊ।
तेहि दुख उहे परास निपाते। लोहू बूड़ि उठे परभाते।
राते बिंब भए तेहि लोहू। परवर पाक फाट हिय गोहूँ।
देखिअ जहाँ सोइ होइ राता। जहाँ सो रतन कहै को बाता।

ना पावस ओहि देसरें ना हेवंत बसंत।
ना कोकिल न पपीहरा कोहि सुनि आवहि कंत॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4902]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की सुदीर्घ परंपरा का विवेचन कीजिए।

2. रसनिष्पत्ति विषयक भरतमुनि का सूत्र बताते हुए रसांगों का विस्तृत परिचय दीजिए।

3. अलंकार की परिभाषाएँ देते हुए काव्य में अलंकार का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. रीति शब्द की व्युत्पत्ति स्पष्ट करते हुए वैदर्भी और गौड़ी रीतियों का परिचय दीजिए।

5. ध्वनि और शब्दशक्ति के पारस्परिक संबंध की चर्चा करते हुए ध्वनि सिद्धांत का महत्व बताइए ।

6. ''वाणी के विलक्षण व्यापार का नाम वक्रोक्ति है—'' इस कथन को वक्रोक्ति के भेदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

7. औचित्य सिद्धांत के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए आचार्य क्षेमेंद्र के औचित्य विचार का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) साधारणीकरण की अवधारणा

(2) अलंकार और रस

(3) रीति और शैली

(4) ध्वनि के भेद ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4902]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

अथवा

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

अथवा

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

अथवा

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— कबीर ग्रंथावली : सं. श्यामसुंदर दास

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से आठवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के धार्मिक विचारों का विवेचन कीजिए।

2. कबीर का प्रेमतत्व और विरह भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. संत काव्य परंपरा में कबीर के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

4. कबीर के काव्य में सामाजिक सुधार का स्वर प्रबल है—स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

5. कबीर के रहस्यवाद को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. कबीर की ..... उलटबाँसियों को सोदाहरण विशद कीजिए।

7. काव्य कला की दृष्टि से कबीर के काव्य का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) यहु तन जालौं मसि करूँ, ज्यूँ धूवाँ जाई सरग्गि।
मति वै राम दया करै, बरसि बुझावै अग्गि॥
यहु तन जालौं मसि करौं, लिखौ राम का नाउँ।
लेखणिं करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाउँ॥

(आ) झूठे सुख कौं सुख कहै, मानत है मन मोद।
खलक चबीणाँ काल का, कुछ मुख मैं कुछ गोद॥
पाँणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति।
एक दिनाँ छिप जाँहिंगे, तारे ज्यूँ परभाति॥

(इ) हम न मरैं मरि है संसारा,
हँम कूँ मिल्या जियावनहारा॥
अब न मरौं मरनै मन माँना, ते मूए जिनि राँम न जाँना।
साकत मरै संत जन जीवै, भरि भरि राम रसाँइन पीवै॥
हरि मरि हैं तौ हमहूँ मरि हैं, हरि न मरै हँम काहे कूँ मरि है।
कहैं कबीर मन मनहि मिलावा, अमर भये सुख सागर पावा॥

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस : उत्तरकांड।
(*ii*) विनयपत्रिका : वियोगी हरि (संपा.)।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से आठवाँ प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास के जीवन एवं कृतित्त्व का संक्षेप में परिचय दीजिए।

2. पठित रचनाओं के संदर्भ में तुलसीदास की भक्ति पद्धति का विवेचन कीजिए।

3. रामचरितमानस के आधार पर तुलसी के लोकनायकत्व का परिचय दीजिए।

4. रामचरितमानस के आधार पर तुलसीदास की दार्शनिकता का विवेचन कीजिए।

5. विनयपत्रिका का वर्ण्य-विषय स्पष्ट करते हुए उसके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

6. विनयपत्रिका की भाषा एवं छंद योजना पर प्रकाश डालिए।

7. विनयपत्रिका की गीतात्मकता का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) दीनबंधु रघुपति कर किंकर। सुनत भरत भेंटेउ उठि सादर।
मिलत प्रेम नहिं हृदयँ समाता। नयन स्रवत जल पुलकित गाता।
कपि तव दरस सकल दुख बीते। मिले आजु मोहि राम पिरीते।
बार-बार बूझी कुसलाता। तो कहुँ देऊँ काह सुनु भ्राता।

अथवा

तुम्हरी कृपाँ कृपायतन, अब कृतकृत्य न मोह।
जानेउँ रामप्रताप प्रभु चिदानंद संदोह॥
नाथ तवानन ससि श्रवत कथा सुधा रघुबीर
श्रवनपुटन्हि मन पान करि नहिं अघात मति धीर॥

(ख) ऐसी मूढता या मन की।
परिहरि राम-भगति-सुरसरिता आस करत ओस कन की॥
घूम-समूह निरखि चातक ज्यों, तृषित जानि मति घन की।
नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की॥
ज्यों गच-काँच बिलोकि सेन जड़ छाँह आपने तन की।
टूटत अति आतुर अहार-बस, छति बिसारि आनन की॥

अथवा

ऐसेहि जनम-समूह सिराने।
प्राननाथ रघुनाथ-से प्रभु तजि सेवत चरन बिराने॥
जे जड़ जीव कुटिल कायर खल, केवल कलि-मन-साने।
सूखत बदन प्रसंसत तिन्ह कहँ, हरि तें अधिक करि माने॥
सुख-हित कोटि उपाय निरंतर करत न पाँय पिराने।
सदा मलीन पंथ के मल ज्यों, कबहुँ न हृदय थिराने॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) आषाढ़ का एक दिन
(*ii*) लहरों के राजहंस
(*iii*) आधे-अधूरे

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से आठवाँ प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय दृष्टि से नाटक के तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. स्वातंत्र्योत्तर नाटक का सामान्य परिचय दीजिए।

3. प्रस्तुतीकरण के संदर्भ में मोहन राकेश के नाट्य साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

4. चरित्रांकन तथा मंचीयता की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'लहरों के राजहंस' नाटक की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

6. नाट्य-कला की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' का विवेचन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) पाश्चात्य नाट्य-तत्त्व।
(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' की भाषा।
(ग) 'लहरों के राजहंस' की सुंदरी।
(घ) 'आधे-अधूरे' शीर्षक की सार्थकता।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) तुम्हें आज नयी भूमि की आवश्यकता है, जो तुम्हारे व्यक्तित्व को अधिक पूर्ण बना दे।

अथवा

और मैं बार-बार अपने को छूकर देखता था कि मेरा शरीर हाड़-मांस का ही है या चिकने पत्थर का हो गया है जैसे मंदिरों में देवी-देवताओं का होता है।

(छ) मैं यह प्रलाप नहीं सुनना चाहती। तुम्हें अँधेरे में बैठकर छायाएँ देखने के अतिरिक्त और कोई काम नहीं था ?

अथवा

जिस सामर्थ्य और विश्वास के बल पर जी रहा था, उसी के सामने मुझे असमर्थ और असहाय बनाकर फेंक दिया गया है।

(ज) और मैं आती हूँ कि एक बार फिर खोजने की कोशिश कर देखूँ कि क्या चीज है वह इस घर में जिसे लेकर बार-बार मुझे हीन किया जाता है।

अथवा

पर हर दूसरे-चौथे साल अपने को उससे झटक लेने की कोशिश करती हुई। इधर-उधर नजर दौड़ाती हुई कि अब कोई जरिया मिल जाय जिससे तुम अपने को उससे अलग कर सको।

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) हरी घास पर क्षण भर
(*ii*) बावरा अहेरी
(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से आठवाँ प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. नयी कविता के विकास में अज्ञेय के योगदान पर प्रकाश डालिए।

2. 'अज्ञेय' के जीवन-वृत्त एवं काव्य कृतित्व का संक्षेप में परिचय दीजिए।

3. 'अज्ञेय' के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

4. 'अज्ञेय' के काव्य में व्यक्त प्रेम भाव को स्पष्ट कीजिए।

5. 'भाव-सम्पदा और अभिव्यक्ति 'कौशल की दृष्टि से 'अज्ञेय' की हरी घास पर क्षण भर' की कविताएँ एक नये मोड़ की सूचक हैं'—स्पष्ट कीजिए।

6. काव्य सौष्ठव की दृष्टि से 'बावरा अहेरी' की पठित कविताओं का विवेचन कीजिए।

7. कितनी नावों में कितनी बार की कविताओं में अज्ञेय की जीवन दृष्टि अभिव्यक्त हुई है—स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) आओ बैठो : क्षण भर तुम्हें निहारूँ।
अपनी जानी एक-एक रेखा पहनूँ
चेहरे की, आँखों की—अन्तर्मन की
और—हमारी साझे की अनगिन स्मृतियों की :
तुम्हें निहारूँ,
झिझक न हो कि निरखना दबी वासना की विकृति है!

(ख) अगर मैं तुम को ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई
टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।

(ग) वह जन है : गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गायेगा ?
पनडुब्बा : ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लायेगा ?
यह समिधा : ऐसी आग हठीला बिरला सुलगायेगा।
यह अद्वितीय : यह मेरा : यह मैं स्वयं विसर्जित :
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इस को भी पंक्ति को दे दो।

(घ) पर मैं—वह भरा हुआ दिल—
क्या मुझे फिर कभी खिलना है ?
जिस में (यदि) हँसना है
वह भोर ही क्या फिर आयेगा ?

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4902]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2016

HIDNI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कोर्टमार्शल—स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध—सं. मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य—सं. डॉ. तुकाराम पाटील, डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'कोर्टमार्शल' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

''जब दुनिया की अदालत इंसाफ न कर सके, तो कभी-कभी ऊपरवाला इन्साफ कर देता है।'' 'कोर्टमार्शल' नाटक के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2. रवीन्द्रनाथ ने भारतवर्ष को 'महामानव समुद्र' कहा है।'' 'अशोक के फूल' निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

3. ''विषय की व्याप्ति तथा अध्ययन में गहराई के कारण आधुनिक युग का यात्रा साहित्य अपने आप में अनूठा रहा है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'उड़ता चल कबूतर' यात्रावृत्त में चित्रित बेनीपुरीजी की योरप यात्रा का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्टमर्शल' नाटक का कर्नल सूरत सिंह

(ख) 'कोर्टमर्शल' नाटक में संवाद–योजना

(ग) 'ठाकुरजी की बटोर' निबंध में चित्रित सभा

(घ) हिमालय का सांस्कृतिक महत्व

(च) 'यूरोप की अमरावती : रोमा' में चित्रित रोम यात्रा।

(छ) 'ब्रह्मपुत्र की मोरचेबंदी' में अंकित भारतीय सेना की शौर्यगाथा।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) ''हाँ, जातना हूँ मैं। नियम और कानून केवल छोटे और कमजोर लोगों के लिए होते हैं। कहाँ मानते हैं रुल्ज को बड़े और ताकदवर लोग। सेवादार तो अफसर का निजी नौकर, मेरा मतलब, पर्सनल सरवेंट बन जाता है।''

(थ) ''घर फूँकने का अर्थ है धन और मान का मोह त्याग देना, भूत और भविष्य की चिंता छोड़ देना और सत्य के सामने सीधे खड़े होने में जो कुछ भी बाधा हो, उसे निर्ममतापूर्वक ध्वंस कर देना।''

(द) ''भारत के महान पुत्र महात्मा गांधी के साथ टॉल्सटॉय का पत्र-व्यवहार हुआ करता था जो बहुत ही दिलचस्प है। यह पत्र-व्यवहार उस समय का है जब गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में जातीय भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4902]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार— सूरदास
सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) रीतिकाव्य धारा— सं. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

उपालंभ काव्य की दृष्टि से भ्रमरगीत का विवेचन कीजिए।

2. बिहारी के वियोग शृंगार का विवेचन कीजिए ।

अथवा

बिहारी की बहुज्ञता पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. रीतिकालीन काव्य में घनानंद का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

घनानंद के काव्य शिल्प पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूर की भाषा

(ख) सूर का वियोग वर्णन

(ग) बिहारी का शृंगारेत्तर काव्य

(घ) बिहारी की भाषा शैली

(च) घनानंद की विरहानुभूति

(छ) घनानंद के काव्य में अलंकार योजना ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''निर्गुन कौन देस को बासी ?

मधुकर ! हँसि समुझाय, सौहं दै बूझाति साँच, न हाँसी ।

को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी ?

कैसो बरन, भेस है कैसो केहि रस के अभिलासी ॥

पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे ! कहैगो गाँसी ॥

सुनत मौन हे, रह्यों ठग्यो सो सूर सवै मति नासी ॥''

(ख) ''हरि-छवि-जल जब तै परै, तब तै छिनु बिछुरै न ।
भरत ढरत बूड़त तरत, रहरघरी लौं नैन ॥
प्रजरयो आगि बियोग की, बह्यौ बिलोचन नीर ।
आठौं जाम हियौं रहै, उड्यौ उसास-समीर ॥''

(ग) तीछन ईछन बान बखान सो पैनी दसान लै सान चढ़ावत ।
प्राननि प्यासे, भरे अति पानिप मायल घायल चोप बढ़ावत ।
यौं घन आनँद छावत भावत जान-सजीवन-ओर तें आवत ।
लोग हैं लागि कबित्त बनावत मोहिं तौ मेरे कबित्त बनावत ।''

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4902]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 : विशेषस्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अरस्तु द्वारा प्रतिपादित विरेचन सिद्धांत का विवेचन कीजिए।

2. उदात्त की व्याख्या को प्रस्तुत करते हुए लोंजाइनस के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

3. आई.ए. रिचर्डस् के मनोवैज्ञानिक मूल्यावाद का विवेचन कीजिए।

4. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद को स्पष्ट कीजिए।

5. प्रतीकवाद का परिचय देते हुए उसकी सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

6. बिंबवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य में बिंब का महत्व बताइए।

7. आलोचना की किन्हीं **दो** प्रणालियों का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अरस्तु की अनुकरण विषयक धारणा

(ख) उदात्त के अतरंग तत्व

(ग) रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धांत

(घ) स्त्रीवादी आलोचना।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[4902]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

(क) हिंदी उपन्यास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) गोदान-प्रेमचंद ।

(*ii*) मैला आँचल-फणीश्वरनाथ 'रेणु' ।

(*iii*) राग दरबारी-श्रीलाल शुक्ल ।

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स—ममता कालिया ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

2. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए ।

3. हिंदी के आँचलिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

4. उपन्यास कला की दृष्टि से 'गोदान' का मूल्यांकन कीजिए।

5. देशकाल एवं वातावरण की दृष्टि से 'मैला आँचल' का विवेचन कीजिए।

6. 'राग दरबारी' की कथा वस्तु संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

7. एक पत्नी के नोट्स में आधुनिक नारी की पीड़ा व्यक्त हुई है—स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपन्यास की मिश्रशैली

(ख) 'गोदान' का होरी

(ग) 'राग दरबारी' की भाषा

(घ) 'मैला आँचल' का शीर्षक ।

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) अंधेर नगरी—भारतेंदु हरिश्चंद्र ।

(*ii*) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर ।

(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र—डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल ।

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. विभिन्न परिभाषा के आधार पर नाटक का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक की सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

3. स्वातंत्र्योत्तर काल के प्रमुख अनूदित और मंचीय नाटकों का सामान्य परिचय दीजिए।

4. नाटक की संरचना के विभिन्न तत्त्वों का सामान्य परिचय दीजिए।

5. 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

6. 'कोणार्क' में इतिहास और कल्पना का समन्वय हुआ है—स्पष्ट कीजिए।

7. नाट्य-तत्त्वों के आधार पर एक सत्य हरिश्चंद्र का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) एकांकी के तत्त्व

(ख) भारतीय नाट्य-दृष्टि

(ग) 'कोणार्क' की प्रयोगशीलता

(घ) 'अंधेर नगरी' का चौपट राजा ।

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. कार्यालयीन लेखन के रूप में टिप्पण और प्रतिवेदन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. व्यावसायिक पत्र लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए किन्हीं **दो** प्रकार के पत्रों का प्रारूप तैयार कीजिए।

4. संचार माध्यमों में समाचार लेखन तथा फीचर लेखन का स्वरूप विशद कीजिए।

5. दृक्-श्राव्य लेखन के रूप में पटकथा लेखन के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

6. रेडिओ नाटक तथा उद्घोषणा का स्वरूप विश्लेषित कीजिए।

7. इंटरनेट का सामान्य परिचय देकर उसके महत्व को विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) संपर्क भाषा

(ख) ज्ञापन

(ग) विज्ञापन लेखन

(घ) हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेअर ।

(घ) हिंदी दलित विमर्श एव साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) दोहरा अभिशाप—कौसल्या बैसंत्री

(*ii*) पहला खत—डॉ. धर्मवीर

(*iii*) आवाजें—मोहनदास नैमिषराय

(*iv*) घुसपैठिए—ओमप्रकाश वाल्मीकि

(*v*) असीम है आसमाँ—डॉ. नरेंद्र जाधव

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. दलित साहित्य की परंपरा का परिचय दीजिए।

3. परंपरागत साहित्य और दलित साहित्य के साम्य और भेद को स्पष्ट कीजिए।

4. दलित साहित्य के कला पक्ष का विवेचन कीजिए।

5. 'दोहरा अभिशाप' में व्यक्त नारी पीड़ा का विवेचन कीजिए।

6. 'घुसपैठिए' में दलित जीवन का यथार्थ चत्रि मिलता है—स्पष्ट कीजिए।

7. 'असीम है आसमाँ' एक अछूत परिवार की संघर्ष गाथा है—स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य के प्रमुख प्रेरणा स्रोत

(ख) दलित साहित्य की विशेषताएँ

(ग) 'पहला खत' का शिल्प

(घ) 'आवाजें' शीर्षक की सार्थकता ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4902]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 9

आधुनिक काव्य—I

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्य नाटक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. सुरेश कुमार जैन
डॉ. नीला केर्वणकर

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''‘कामायनी’ छायावादी काव्यधारा की सर्वश्रेष्ठ रचना है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

‘कामायनी’ के आधार पर श्रद्धा की चरित्रगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. ''‘पटकथा’ में आजादी के बाद के बीस वर्षों में देश में उत्पन्न राजनीतिक परिस्थितियों के दर्शन होते हैं।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

‘ब्रह्मराक्षस’ की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. ''‘अंधा युग’ के संवादों में काव्यत्व एवं नाटकीयता का समन्वय हुआ है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

‘अंधा युग’ का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) ‘कामायनी’ के गौण पात्र

(ख) कामायनी की ऐतिहासिकता

(ग) ‘सरोज स्मृति’ में सरोज का वर्णन

(घ) ‘असाध्य वीणा’ में बिम्ब योजना

(च) ‘अंधा युग’ की गांधारी

(छ) ‘अंधा युग’ में आधुनिकता बोध।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''अरी उपेक्षा-भरी अमरते! री अतृप्ति! निर्बाध विलास!
द्विधा-रहित अपलक नयनों की भूख भरी दर्शन की प्यास।
बिछुड़े तेरे सब आलिंगन, पुलक स्पर्श का पता नहीं,
मधुमय चुंबन कातरतायें, आज न मुख को सता रहीं।

अथवा

दु:ख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात,
एक परदा यह झीना नील छिपाये है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत् की ज्वालाओं का मूल,
ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल।

(झ) शुचिते, पहनाकर चीनांशुक
रख सका न तुझे अत: दधिमुख।
क्षीण का न छीना कभी अन्न,
मैं रख न सका वे दृग विपन्न;
अपने आँसुओं से अत: बिम्बित
देखे हैं अपने ही सुख-चित।

अथवा

मुझसे कहा गया कि संसद
देश की धड़कन को
प्रतिबिम्बित करनेवाला दर्पण है
जनता को
जनता के विचारों का
नैतिक समर्पण है
लेकिन क्या यह सच है ?
या सच है कि
अपने यहाँ संसद
तेली की वह घानी है
जिसमें आधा तेल है
और आधा पानी है।

(ट) मैं क्या करूँगा
हाय मैं क्या करूँगा ?
वर्तमान में जिसके
मैं हूँ और मेरी प्रतिहिंसा है!
एक अर्धसत्य ने युधिष्ठिर के
मेरे भविष्य की हत्या कर डाली है।
किन्तु, नहीं,
जीवित रहूँगा मैं
पहले ही मेरे पक्ष में
नहीं है निर्धारित भविष्य अगर
तो वह तटस्थ है!
शत्रु है अगर वह तटस्थ है!

अथवा

माता!
प्रभु हूँ या परात्पर
पर पुत्र हूँ तुम्हारा, तुम माता हो!
मैंने अर्जुन से कहा—
सारे तुम्हारे कर्मों का पाप-पुण्य, योगक्षेम
मैं वहन करूँगा अपने कंधों पर
अठारह दिनों के इस भीषण संग्राम में
कोई नहीं केवल मैं ही मरा हूँ करोड़ों बार
जितनी बार जो भी सैनिक भूमिशायी हुआ
कोई नहीं था
वह मैं ही था।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4902]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्पत्र-10 विशेषस्तर

(भाषाविज्ञान)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

2. वाग्वयव तथा उनके कार्य को सोदाहरण समझाइए।

3. स्वनिम की विशेषताएँ लिखकर स्वन और स्वनिम में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. रूपविज्ञान की परिभाषा देते हुए उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

5. वाक्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए वाक्य-विश्लेषण पर प्रकाश डालिए।

6. शब्द और अर्थ का संबंध स्पष्ट करते हुए अर्थबोध के साधनों का विवेचन कीजिए।

7. भाषा-विज्ञान की शाखाओं का उल्लेख करते हुए समाज-भाषा विज्ञान और भाषा-भूगोल का परिचय दीजिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार

(ख) अर्थ परिवर्तन के कारण

(ग) तुलनात्मक भाषा-विज्ञान

(घ) भाषा-विज्ञान और साहित्य।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[4902]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र II : विशेषस्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) अमीर खुसरो

(2) रासो साहित्य

(3) आदिकालीन सामाजिक पृष्ठभूमि।

2. कृष्णभक्ति काव्यधारा का परिचय देते हुए उसमें सूरदास का योगदान स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) मीरां का काव्य

(2) रहीम

(3) भक्तिकाल की धार्मिक पृष्ठभूमि।

3. रीतिकालीन रीतिबद्‌ध, रीतिसिद्‌ध और रीतिमुक्त साहित्य का परिचय दीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) बिहारी

(2) घनानंद

(3) रीतिकाल का नामकरण।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(1) आदिकाल के नामकरण की समस्या का विवेचन कीजिए।

(2) संत कबीर का परिचय देते हुए उनके काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(3) रीतिकालीन राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [10]

(1) चंदबरदाई का परिचय दीजिए।

(2) कवि विद्‌यापति की रचनाओं के नाम लिखिए।

(3) तुलसीदास के काव्य की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(4) जायसी की काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

(5) नंददास का परिचय दीजिए।

(6) कवि देव का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(7) आचार्य केशवदास के काव्य की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [6]

(1) आदिकाल में लिखित किसी एक महाकाव्य का उल्लेख कीजिए ।

(2) विद्यापति के आश्रयदाताओं के नाम लिखिए ।

(3) रामचन्द्रिका के रचयिता का नाम लिखिए ।

(4) अष्टछाप के **दो** कवियों के नाम लिखिए ।

(5) भूषण की काव्य-कृतियों का उल्लेख कीजिए।

(6) रीतिकाल के किस कवि के काव्य में सुजान का वर्णन मिलता है ?

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4902]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-12 विशेष स्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

अथवा

(आ) अनुवाद विज्ञान

अथवा

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए आलोचना के प्रमुख प्रकारों का विवेचन कीजिए।

2. हिंदी आलोचना के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

3. 'आ॰ रामचंद्र शुक्ल हिंदी आलोचना के शिखर-पुरुष हैं।' साधार समझाइए।

4. डॉ॰ हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना-पद्धति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. 'डॉ॰ नगेंद्र ने हिंदी आलोचना को व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों स्तरों पर समृद्ध किया है।' स्पष्ट कीजिए।

6. हिंदी आलोचना के क्षेत्र में डॉ॰ रामविलास शर्मा के योगदान पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

7. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना-पद्धति का स्वरूप एवं विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना की विशेषताएँ

(ख) आलोचना की प्रक्रिया

(ग) सौष्ठववादी आलोचक डॉ. नंददुलारे वाजपेयी

(घ) आदर्श आलोचक के गुण।

[4902]-314

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद प्रक्रिया को स्पष्ट कर उसके सहायक साधनों का परिचय दीजिए।

2. अनुवाद के मौखिक तथा लिखित स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

3. अनुवाद की परिभाषा देते हुए अनुवाद के प्रकार विशद कीजिए।

4. अनुवाद कार्य में भाषा-विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

5. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता, समस्याएँ तथा सीमाओं का विवेचन कीजिए।

6. नाट्यानुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसमें आने वाली समस्याओं को सोदाहरण समझाइए।

7. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कर उसमें आने वाली समस्याओं का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद—कला या विज्ञान ?

(ख) अनुवाद : लिप्यंतरण की समस्याएँ

(ग) अनुवाद समीक्षा के निकष

(घ) मुहावरों और कहावतों का अनुवाद।

[4902]-314

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार के विविध माध्यमों का परिचय दीजिए।

2. वैश्वीकरण की प्रक्रिया में जनसंचार माध्यमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

3. हिंदी के प्रचार-प्रसार में जनसंचार माध्यमों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

4. सूचना समाज की संकल्पना स्पष्ट कीजिए।

5. जनसंचार माध्यमों में प्रसारित विज्ञापन एवं साक्षात्कार के हिंदी भाषा रूप को स्पष्ट कीजिए।

6. सूचना शैली और सूचना संप्रेषण में भाषा की रचनात्मक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

7. दूरदर्शन पत्रकारिता का स्वरूप और महत्व विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद

(ख) ई-कॉमर्स का परिचय

(ग) लेखन भाषा

(घ) सर्वेक्षण वृत्तांत।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4902]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2016

हिंदी

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 13

आधुनिक काव्य—II

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्यकुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'कितने प्रश्न करूँ' खंडकाव्य की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''धरती का आह्वान कर उसी में समा जाना, सीता के प्रतिरोध की साक्षात अभिव्यक्ति है।'' इस विधान के आलोक में 'कितने प्रश्न करूँ' की समीक्षा कीजिए।

2. नागार्जुन के काव्य में पाए जाने वाले यथार्थ बोध पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''नागार्जुन का काव्य उनकी प्रगतिशील चेतना का उत्तम उदाहरण है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. 'गिरिजाकुमार माथुर आस्था और आशावादी कवि हैं।' पठित कविताओं के आधार पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

'भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं में आशा-उल्लास, मस्ती-उत्साह और उदात्त जीवन मूल्यों की व्यंजना है।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' की शीर्षक योजना।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' का सत्य।

(2) 'प्रेत का बयान' का व्यंग्य।

अथवा

'भारत माता' कविता में चित्रित प्रकृति-चित्रण।

(3) 'माटी और मेघ' कविता का आशय।

अथवा

'गीत फरोश' कविता के शीर्षक की सार्थकता।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) तुमने मेरी शुचिता पर
फिर से संदेह दिखाया,
जन निंदा के माध्यम से
अपना सवाल दोहराया।
मैं थी जानकी अयोनिज
तुम थे पुरुषों में उत्तम।
मैं वीर्य-शुल्किनी कन्या
तुम धीर-वीर, कुल-भूषण!

अथवा

क्या मर्यादा पुरुषोत्तम
पति, पिता नहीं होते हैं ?
करते हैं हित जनपद का
अपने प्रियजन खोते हैं ?
यदि यह है धर्म बृहत्तर
अपने कुटुम्ब से ऊपर ?
तो पालन करो इसी का
जाती हूँ मैं अब रघुवर!

(ख) कहती हो क्या देवि!
जाऊँगा मैं भला तुम्हीं को भूल ?
नहीं जानती तुम रघुकुल की रीति
इसलिए क्या उपालंभ यह हंत।
छूकर, अंब, तुम्हारे दोनों पैर
होता राघव राम प्रतिज्ञाबद्ध।

अथवा

तुंग हिमालय के कंधों पर
छोटी बड़ी कई झीलें हैं,
उनके श्यामल-नील सलील में
समतल देशों से आकर
पावस की ऊमस से आकुल
तिक्त-मधुर बिस-तंतु खोजते
हंसों को तिरते देखा है।

(ग) हम सब इन्हीं के लिए
युग-युग से जीते हैं
क्रीतदास हैं हम
इतिहास-वसन सीते हैं
इतिहास उनका है
हम सब तो स्याही हैं
विजय सभी उनकी
हम घायल सिपाही हैं।

अथवा

तो पहले अपना नाम बता दूँ तुमको
फिर चुपके चुपके धाम बता दूँ तुमको
तुम चौंक नहीं पड़ना, यदि धीमे-धीमे
मैं अपना कोई काम बता दूँ तुमको।
कुछ लोग भ्रांतिवश मुझे शांति कहते हैं
निस्तब्ध बताते हैं, कुछ चुप रहते हैं
मैं शांत नहीं निस्तब्ध नहीं फिर क्या हूँ ?

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4902]-412

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र-14

(हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **एकूण गुण : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देकर वैदिक संस्कृत की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण स्पष्ट कर ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ लिखिए।

3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का संक्षेप में परिचय दीजिए।

4. 'शब्द-भंडार भाषा की निधि है' इस कथन के आधार पर हिंदी के शब्द-भंडार को स्पष्ट कीजिए।

5. हिंदी में प्रयुक्त कम्प्यूटर की सुविधाओं पर प्रकाश डालिए।

6. हिंदी के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

P.T.O.

7. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) महाराष्ट्री प्राकृत

(ख) समास

(ग) हिंदी में लिंग और वचन व्यवस्था

(घ) खड़ी बोली।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[4902]-413

M.A. (Part II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 15 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. 'भारतेंदु के प्रेरणादाई व्यक्तित्त्व ने हिंदी साहित्य में सर्वतोमुखी उन्नति का सूत्रपात किया।' मीमांसा कीजिए।

2. हिंदी नाटक की विकासयात्रा में जयशंकर प्रसाद के योगदान पर प्रकाश ड़ालिए।

3. हिंदी आलोचना के विकासक्रम को संक्षेप में समझाते हुए उसमें आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

4. छायावादी काव्य की समृद्धि में उसके प्रमुख कवियों का योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियों को लिखते हुए रामधारीसिंह 'दिनकर' के काव्य का परिचय दीजिए।

P.T.O.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) हिंदी गद्य विकास में ईसाई मिशनरियों का योगदान,

(2) गोदान,

(3) नाटककार शंकर शेष,

(4) जयशंकर प्रसाद का काव्य,

(5) नई कविता,

(6) कवि धूमिल।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(1) द्विवेदीयुगीन गद्य-साहित्य की **दो** विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(2) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की विविध धाराओं के नाम लिखिए।

(3) समांतर कहानी आंदोलन की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(4) द्विवेदीयुगीन कविताओं की विशेषताएँ लिखिए।

(5) प्रगतिवादी काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(6) जनवादी कवि नागार्जुन का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(1) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के रचयिता कौन हैं ?

(2) स्वातंत्र्योत्तर काल के **दो** आँचलिक कथाकारों के नाम लिखिए।

(3) 'मुक्तिबोध' का पूरा नाम क्या है ?

(4) 'दिनकर' को किस काव्यकृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ ?

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[4902]-414

M.A. (Part II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2016

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 16 विशेषस्तर : वैकल्पिक—II

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "भारतीय साहित्य में समस्त भारत का प्रतिबिंब दिखाई देता है।" स्पष्ट कीजिए।

2. भारतीय साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

4. "हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति हुई है।" इस कथन की सार्थकता को सिद्ध कीजिए।

5. "'1084वें की माँ' केवल तत्कालीन दस्तावेज नहीं बल्कि विद्रोह की कथा भी है।" विवेचना कीजिए।

P.T.O.

6. "'अधूरे मनुष्य' की कहानियों में जन सामान्य की भावनाओं का अंकन है।" स्पष्ट कीजिए।

7. नाटक के तत्वों के आधार पर 'हयवदन' की समीक्षा कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) '1084वें की माँ' की कथावस्तु
   (ख) 'हयवदन' शीर्षक की सार्थकता
   (ग) 'अधूरे मनुष्य' में भारतीयता
   (घ) वर्तमान भारतीय साहित्य की विशेषताएँ।

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. लोक साहित्य की परिभाषाएँ देकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. लोक साहित्य के कलापक्ष को स्पष्ट कीजिए।

3. लोक साहित्य का आर्थिक, नैतिक, धार्मिक दृष्टि से महत्व प्रतिपादित कीजिए।

4. लोक साहित्य संकलन का उद्देश्य स्पष्ट कर संकलन की पद्धतियाँ विशद कीजिए।

5. लोकगीत की परिभाषा देकर लोकगीतों का परिचय दीजिए।

6. लोकगाथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके उत्पत्ति विषयक सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

7. लोककथा की अवधारणा स्पष्ट कर उसका वर्गीकरण कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोकनाट्य का स्वरूप

(ख) पहेलियाँ और मुकरियाँ

(ग) लोकगीत की विशेषताएँ

(घ) लोक साहित्य संकलनकर्ता की समस्याएँ।

[4902]-414

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. संपादन कला में शीर्षक का महत्व स्पष्ट करते हुए समाचार के विभिन्न स्रोतों पर प्रकाश डालिए।

3. समाचार संकलन तथा लेखन के विविध आयामों को स्पष्ट कीजिए।

4. साक्षात्कार तथा फीचर रिपोर्ताज की प्रविधि का विवेचन कीजिए।

5. "इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संचार का प्रभावी साधन है।" स्पष्ट कीजिए।

6. पत्रकारिता के प्रबंधन पर प्रकाश डालिए।

7. भारतीय संविधान प्रदत्त सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मुक्तप्रेस की अवधारणा

(ख) भारत में पत्रकारिता का आरंभ

(ग) संवाददाता की कार्यपद्धति

(घ) इंटरनेट पत्रकारिता।